an>

title: Need to ease the procedure to bring back the dead bodies of Indian citizens who die abroad.

श्री जनक राम (गोपालगंज) ः मेरे संसदीय क्षेत्र गोपालगंज सहित पूरे बिहार से लोग यहां रोजगार नहीं मिलने व इस जिले व राज्य के आर्थिक, सामाजिक पिछड़ेपन के कारण नौकरीपेशा के लिए बड़ी संख्या में खाड़ी के देशों में जाते रहे हैं। वहां योग्यता व क्षमता के अनुसार अच्छी नौकरी और सुविधाएं देने के नाम पर गल्फ की कम्पनियां और उनसे जुड़े भारतीय एजेंट तो वर्करों के लेकर जाते रहे हैं लेकिन वहां जाते ही इन लोगों के साथ जानवर जैसा व्यवहार किया जाता रहा है और दबाव बनाकर किसी भी तरह का काम, मजदूरी कराया जाती है, जिससे दुर्घटनाएं होती रही हैं। आवांछित परिस्थितियों से लड़ते-लड़ते व अति मानसिक पूताड़ना के कारण ऐसे मजदूरों की एक के बाद एक आकस्मिक मृत्यु होती चली आ रही है।

इस संबंध में एक विशेष बात है कि विदेश में कमाई के लिए गए अपने लोगों की अचानक हुई मृत्यु के बाद, अपने वतन और घर पर उनकी अन्त्येष्टि के लिए उनके शवों को वहां से वापस मंगवाने में बहुत विलम्ब होने के कारण जनता में आक्रोश पैदा हो रहा है।

मैं विदेश मंत्री, भारत सरकार से प्रार्थना करूंगा कि इस अति संवेदनशील विषय पर व्यक्तिगत संज्ञान लेते हुए इस तरह के मामलों को शीघ्र निपटाने की कृपा करें।